International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)
ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714
www.ijhssi.org ||Volume 14 Issue 9 || September 2025 || PP. 159-172

दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता के आलोक में भारत- नेपाल संबंध (2008-2023) :- एक अध्ययन

अनिल कुमार और डॉ0 अमित कुमार

शोधार्थी, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर
शोध निर्देशक, सहायक अध्यापक, मुंशी सिंह महाविद्यालय मोतिहारी

सारांश

यह अध्ययन 2018–2023 के कालखंड में दक्षिण एशिया में चीन की बढ़ती सक्रियता के परिप्रेक्ष्य में भारत-नेपाल संबंधों का विश्लेषण करता है। अध्ययन में 100 उत्तरदाताओं पर आधारित सर्वेक्षण, Likert-स्केल और वर्णनात्मक सांख्यिकी का उपयोग किया गया। शोध का उद्देश्य यह समझना था कि चीन की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों ने भारत-नेपाल संबंधों, जनमत और नीति धारणा पर किस प्रकार प्रभाव डाला है। परिणाम दर्शाते हैं कि चीन की सक्रियता ने नेपाल में रणनीतिक संतुलन और ऋण-निर्भरता बढ़ाई, जबकि भारत की नीति और मीडिया धारणा ने विश्वास स्तर को मध्यम से सकारात्मक बनाए रखा। यह अध्ययन क्षेत्रीय कूटनीति, सुरक्षा रणनीति और त्रिपक्षीय सहयोग की नीति निर्माण प्रक्रिया के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

मुख्य शब्द : *भारत-नेपाल संबंध, चीन की सक्रियता, दक्षिण एशिया, जनमत विश्लेषण, विदेश नीति, क्षेत्रीय संतुलन*

प्रस्तावना

दक्षिण एशिया क्षेत्र, भूगोलिक दृष्टि से, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण है। इस क्षेत्र की समस्त साझेदारियाँ, सीमाएँ, पहाड़ियाँ, घाटियाँ और समुद्री मार्ग, सभी ने इस क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय राजनीति को बहुत-गहराई से प्रभावित किया है। भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और मलद्वीप जैसे देश इस क्षेत्र में स्थित हैं, एवं उनका विकास, सुरक्षा, आर्थिक प्रगति तथा भू-राजनीतिक संतुलन निरंतर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। इस संदर्भ में जब कोई बाह्य शक्ति—विशेषकर चीन जैसा बड़ा राज्य—दक्षिण एशिया में अपनी सक्रियता बढ़ाता है, तो इसके प्रतिफल एवं प्रतिक्रियाएँ क्षेत्रीय देशों, विशेषकर भारत एवं नेपाल पर, व्यापक और बहुआयामी होती हैं। समय-सीमा 2018 से 2023 तक की अवधि को देखें, तो इस कालखंड में भारत-नेपाल संबंधों ने विविधता और जटिलता के नए आयाम ग्रहण किए हैं। नेपाल अपनी आंतरिक राजनीतिक चुनौतियों, आर्थिक महत्वाकांक्षाओं, सामाजिक विविधताओं और बाह्य संबंधों में संतुलन बनाए रखने की कोशिशों के बीच है। वहीँ भारत, जो सदियों से नेपाल को अपना सामरिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पड़ोसी मानता आया है, अपनी विदेश नीति में नए आयामों, नई चुनौतियों और अवसरों से गुज़र रहा है। इसी बीच चीन की विदेश नीति में "Belt and road initiative" (BRI), "connectivity diplomacy", "infrastructure investments", "उधार-वित्त (debt diplomacy)" और क्षेत्रीय शक्ति प्रक्षेपण (power projection) की रणनीतियाँ शामिल हैं, जो दक्षिण एशिया के देशों पर उनके प्रभाव को महत्वपूर्ण रूप से बदल रही हैं। यह अध्ययन इस बात की समीक्षा एवं विश्लेषण करने का प्रयत्न करेगा कि कैसे चीन की बढ़ती सक्रियता ने भारत-नेपाल संबंधों को 2018-2023 के वर्षों में प्रभावित किया है; किन-किन क्षेत्रों में तनाव या सहयोग के अवसर पैदा हुए हैं; नेपाल ने किन नीतियों के माध्यम से बाह्य शक्ति संतुलन (external balancing), बाह्य शक्ति सहयोग (external cooperation) या त्रिकोणीय राजनयिक संतुलन (triangular diplomacy) की रणनीतियाँ अपनायी हैं; तथा भारत ने अपनी विदेश नीति तथा सीमापार नीतियों में किस प्रकार बदलाव किए हैं। इस परिचय में हम क्षेत्रीय प्रक्षेत्र, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, भारत-नेपाल संबंधों के पूर्ववर्ती स्वरूप, चीन की रणनीतियों को समझना, और अध्ययन के उद्देश्य, शोध-प्रश्न तथा पाठ-संरचना की रूपरेखा प्रस्तुत करेंगे।

क्षेत्रीय प्रक्षेत्र एवं भू-राजनीतिक पृष्ठभूमि

दक्षिण एशिया, वैश्विक दृष्टि से, आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा दृष्टि से एक गहन एवं विविध क्षेत्र है। यह क्षेत्र जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएँ, आबादी विस्फोट, गरीबी, मानव विकास सूचकांक में असमानताएँ, सीमापार आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ, तस्करी,ै मानवाधिकार मुद्दे और संसाधन संघर्षों से जूझ रहा है। इसी क्षेत्र में चीन की दूरी नापने की इच्छा, उसकी आर्थिक महत्वाकांक्षाएँ, सामरिक पहुँच, सीमाएँ और संचार मार्गों की रणनीतियाँ, विशेषतः समुद्री और भू-मार्ग, इस विविधता के बीच नई गतियाँ उत्पन्न कर रही हैं। भारत, जो क्षेत्रीय नेता बनने की अपनी भूमिका को वर्षों से स्वीकार करता आया है, ने दक्षिण एशिया में अपनी "Neighbourhood First" नीति, SAARC में सक्रिय भागीदारी की नीति एवं द्विपक्षीय सहयोगों को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ अपनायी हैं। नेपाल, भौगोलिक दृष्टि से भारत के बीच स्थित होने के कारण, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से भारत के साथ गहरे संबंध में है। नेपाल की राजनीतिक इतिहास में ब्रिटिश शासन के समय प्रभाव-विस्तार, भारतीय स्वतंत्रता और विभाजन के बाद के भारतीय उपमहाद्वीप की राज्यों की सीमाएँ, तथा नेपालको राजशाही और बहुदलीय लोकतंत्र की संभावनाएँ शामिल हैं। चीन, दूसरी ओर, संपर्क एवं प्रभाव का विस्तार करने की नीति के अंतर्गत, "One Belt One Road Initiative" (OBOR)/"Belt and Road Initiative" (BRI), "Digital Silk Road", "Health Silk Road", "maritime routes", ऊर्जा परियोजनाएँ और समवर्ती आर्थिक व सामरिक उद्यमों के ज़रिए दक्षिण एशिया में अपनी उपस्थिति मज़बूत कर रहा है। चीन-नेपाल संबंधों में विशेष रूप से चीन ने बुनियादी ढाँचे (infrastructure) की परियोजनाओं, राजमार्गों, बंदरगाहों से जुड़े प्रस्तावों, कर्ज़-वित्त के सहायक प्रस्तावों, उद्योग-निवेश एवं पर्यटन सहयोग को आगे बढ़ाया है। यह चीन की रणनीति, भारत के लिए या तो चुनौती देती है या अवसर प्रदान करती है, इस पर निर्भर करता है नेपाल की विदेश नीति किस तरह संचालित होती है।

भारत-नेपाल संबंधों की पूर्ववर्ती स्थिति

भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक रूप से सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक बंधन गहरे रहे हैं। हिमालय की घाटियाँ, नेपाली भाषाएँ, संस्कृति, विवाह बन्धन, तीर्थस्थल आदि साझा सांस्कृतिक तत्व हैं। राजनीतिक रूप से, नेपाल की राजशाही काल और बाद में संविधानात्मक राजशाही, प्रभावशाली भारतीय नीति-निर्देशों के संपर्क में रही है। भारत-नेपाल की सीमा खुली रही है और दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही सदैव महत्वपूर्ण रही है। राजनीतिक परिवर्तन के दृष्टिकोण से, नेपाल ने 1990 में बहुदलीय लोकतंत्र अपनाया, 2006 के जन आन्दोलन (जन आन्दोलन II) तथा बाद में राजशाही समाप्ति के बाद संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की। इस परिवर्तन के समय भारत-नेपाल संबंधों में विश्वसनीयता, सहयोग और संघर्ष दोनों का मिश्रण रहा है। भारत द्वारा नेपाल को विशेष आर्थिक सहायता, सीमा प्रबंधन, जल संसाधन साझेदारी आदि में सहयोग की भूमिका बड़ी रही है, लेकिन कुछ समय-समय पर नेपाल में जनभावनाएँ भारत प्रति असंतोष व्यक्त करती रही हैं—सीमावर्ती विवादों, व्यापार यातायात, नेपाल के स्वायत्तता एवं सार्वभौमिकता की चिंता आदि के कारण। 2015 के बाद, नेपाल ने नया संविधान अपनाया जिसका असर नेपाल की आंतरिक राजनीति एवं बाह्य संबद्धताओं पर पड़ा। भारत-नेपाल व्यापार, सीमावर्ती बुनियादी ढाँचा, विद्युत् साझा उपयोग, जल संसाधन प्रबंधन आदि क्षेत्रों में सुधार के प्रयास हुए, लेकिन सीमा विवाद जैसे मुद्दे, पारगमन तथा राज्य-नीति में लोगों की अपेक्षाएँ, भारत-नेपाल संबंधों को कभी-कभी तनाव की स्थिति में भी ले गयी।

चीन की बढ़ती सक्रियता (2018-2023)

2018 से 2023 के बीच चीन की दक्षिण एशिया में सक्रियता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इस अवधि में निम्नलिखित प्रमुख आयाम देखे गए:

1. **आर्थिक निवेश एवं बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ**

चीन ने नेपाल के राजमार्ग निर्माण, पुलों, सड़क नेटवर्क, ऊर्जा परियोजनाओं, जलविद्युत् परियोजनाओं आदि में निवेश बढ़ाया। उदाहरण के लिए नेपाल-चीन बॉर्डर से जुड़े उत्तरी नेपाल में सड़क परियोजनाएँ, हिमालयी क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं

के विस्तार आदि। इसके अतिरिक्त, नेपाल को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के प्रासंगिक प्रस्तावों, ट्रांस-हिमालयन यातायात मार्गों के संभावित नक्शों में शामिल करने की कोशिशें हुईं।

2. **राजनयिक एवं सामरिक प्रभाव का विस्तार**

चीन ने नेपाल के साथ द्विपक्षीय और बहुपक्षीय स्तरों पर कूटनीतिक संबंधों को गहरा किया है। नेपाल में चीनी राजनयिक उपस्थिति, शिक्षा-संस्कृति सम्बन्ध, चिकित्सा सहयोग, कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य उपकरणों एवं टीकों की आपूर्ति, तथा आपदाओं में सहायता प्रदान करना। सैन्य एवं सुरक्षा सहयोग, प्रशिक्षण एवं सीमा क्षेत्र में चीन-नेपाल संयुक्त अभ्यासों या सुरक्षा चर्चाओं के प्रस्तावों की संभावना, हालांकि भारत इसके प्रति सतर्क रहा है।

3. **कर्ज और वित्तीय उपकरणों का प्रयोग**

नेपाल को चीन द्वारा सैकड़ों करोड़ों डॉलर की ऋण सहायताएँ मिली हैं, विशेषकर बुनियादी ढाँचा विकास के लिए। ये ऋण, अक्सर सस्ते ब्याज दरों पर नहीं होते हैं, और ऋण-भंड़ार (debt stock) बढ़ने की चिंताएँ उत्पन्न होती हैं। चीन के परियोजनाएँ नेपाल की ऋण-क्षमता, वित्तीय स्थिरता एवं आर्थिक निर्भरता की दिशाओं में चुनौतियाँ ला सकती हैं।

4. **संकीर्ण भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा एवं त्रिकोणीय रणनीतियाँ**

भारत और चीन दोनों ही दक्षिण एशिया में अपने प्रभाव को सुनिश्चित करना चाहते हैं। नेपाल इस प्रतिस्पर्धा में एक मध्य भूमिकाधारी देश है, जो भारत और चीन दोनों के साथ आर्थिक तथा राजनयिक सम्बन्ध बनाए रखना चाहता है। इस अवधि में, नेपाल ने यह समझने की कोशिश की कि कैसे अपने स्वाभाविक पड़ोसी भारत और आर्थिक शक्ति व वैश्विक महत्वाकांक्षा रखने वाले चीन के बीच संतुलन बनाए रखा जाए ताकि उसकी राष्ट्रीय स्वायत्तता व हित सुरक्षित रहें।

5. **नेपाल की आंतरिक राजनीति एवं विदेश नीति में बदलाव**

नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता, दलों के बीच गठबंधनों का परिवर्धन और परिवर्तन, संघीय व्यवस्था के क्रियान्वयन की चुनौतियाँ, स्थानीय सरकारों के सशक्तीकरण, आदि मुद्दों ने नेपाल की विदेश नीति को प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त, नेपाल के राजनीतिक नेताओं एवं जनता में यह भावनाएँ भी बढ़ीं कि नेपाल को अन्य बाह्य शक्तियों के प्रति अधिक खोलने की आवश्यकता है ताकि भारत से असंतोष तथा सीमित अवसरों को पूरा किया जा सके।

6. **भारत की प्रतिक्रिया एवं रणनीतियाँ**

भारत ने "Neighbourhood First" नीति को पुनर्जीवित किया है और नेपाल के साथ अपने पारंपरिक सांस्कृतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए रुझान बनाया है। भारत ने नेपाल में सड़कों, रेल संचार नेटवर्क, पुलों, विद्युत् परियोजनाओं, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य व शिक्षा सहायता आदि में बढ़ावा देने का प्रयास किया है। साथ ही भारत ने अपने सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए चीन की पहल को संभावित चुनौतियों के रूप में देखा है, विशेषकर अगर कोई परियोजना भारत-भारत-चीन सीमाओं के करीब हो, या यदि वह पारगमन एवं संचार में भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बना सके।

अध्ययन की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता

भारत-नेपाल संबंधों की समीक्षा इस समय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि चीन की बढ़ती सक्रियता के कारण पारंपरिक शक्ति संतुलन बदल रहा है। नेपाल, जिस पर ऐतिहासिक रूप से भारत की सुरक्षा, परिवहन, व्यापार एवं संस्कृति में अधिक निर्भरता रही है, अब विविध बाह्य विकल्पों की ओर देख रहा है। नेपाल की अर्थव्यवस्था, वित्तीय स्थिरता, बुनियादी ढाँचा विकास की गति, और विदेशी निवेश अवसर चीन-भारत बहु-दिशीय प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में प्रभावित हो रहे हैं। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, जल संसाधन साझेदारी एवं रणनीतिक प्रभाव की सीमाएँ चीनी निवेश और परियोजनाओं के कारण परखा जा रहा है। क्षेत्रीय संगठनों और बहुपक्षीय संस्थानों में सक्रिय चीन-भारत प्रतियोगिता, नेपाल को नए विकल्प

उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान कर रही है, लेकिन साथ ही नेपाल को अपनी नीति के माध्यम से संतुलन बनाए रखने की चुनौतियाँ भी हैं। इस अध्ययन से निम्नलिखित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की जा सकती हैं:

1. किन नीतिगत उपायों से नेपाल ने चीन-भारत प्रतिस्पर्धा में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयत्न किया है।
2. भारत ने चीन की गतिविधियों को देखते हुए नेपाल के साथ अपने राजनयिक, आर्थिक एवं सामरिक संबंधों में किस तरह बदलाव लाया है।
3. किन राजमार्गों, बुनियादी ढाँचे के प्रोजेक्टों, आर्थिक सहयोगों, ऋण और निवेश योजनाओं तथा सीमा एवं संचार नेटवर्क की परियोजनाओं ने भारत-नेपाल-चीन त्रिकोणीय प्रतिस्पर्धा को आकार दिया है।
4. नेपाल की घरेलू राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियों (जैसे संघीयता, राजनैतिक दलों की भूमिका, सार्वजनिक चेतना, विकास प्राथमिकताएँ) ने उसकी विदेश नीति क्षेत्रों में किस प्रकार का प्रभाव डाला है।
5. भविष्य में भारत-नेपाल संबंधों में किन क्षेत्रों में संघर्ष, सहकार्यता या मध्यस्थता संभव है, और भारत व नेपाल दोनों को किन रणनीतिक नीतियों को अपनाने की आवश्यकता होगी ताकि संतुलन बन सके।

शोध-प्रश्न: इस अध्ययन में निम्नलिखित मुख्य शोध-प्रश्न होंगे:

1. **चीन की गतिविधियों** – 2018-2023 के बीच चीन ने किन प्रमुख परियोजनाओं, निवेशों और राजनयिक गतिविधियों के माध्यम से नेपाल में सक्रिय भूमिका निभायी है?
2. **नेपाल की प्रतिक्रिया** – नेपाल ने इन गतिविधियों के प्रति अपनी विदेश नीति, आर्थिक रणनीतियाँ, राजनैतिक गठबंधन एवं सार्वजनिक नीति के स्तर पर किस तरह प्रतिक्रिया दी है?
3. **भारत-नेपाल संबंधों पर प्रभाव** – चीन की सक्रियता ने भारत-नेपाल के परंपरागत संबंधों, व्यापार, सीमा प्रबंधन, संचार एवं पारगमन, ऊर्जा साझेदारी एवं सुरक्षा चिंताओं को कैसे प्रभावित किया है?
4. **सहानुभूति एवं संघर्ष के क्षेत्र** – किन क्षेत्रों में भारत और नेपाल के मध्य सहयोग बढ़ा है और किन क्षेत्रों में तनाव, असंतोष, विश्वास की कमी या प्रतिस्पर्धा उत्पन्न हुई है?
5. **भविष्य की दिशा** – आगामी वर्षों में भारत-नेपाल-चीन त्रिकोणीय संरचना किस प्रकार विकसित हो सकती है और भारत व नेपाल को अपनी रणनीतियाँ किस दिशा में मोड़नी चाहिए, ताकि क्षेत्रीय संतुलन, विकास और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

अध्ययन के दायरे एवं सीमाएँ

यह अध्ययन विशेष रूप से **2018-2023** के वर्षों पर केंद्रित होगा, क्योंकि इस अवधि में चीन की क्षेत्रीय सक्रियता में तीव्र वृद्धि हुई और भारत-नेपाल-चीन त्रिकोणीय राजनीति ने एक नया आयाम ग्रहण किया। अध्ययन प्रमुख रूप से निम्नलिखित क्षेत्रों को शामिल करेगा:

- बुनियादी ढाँचा एवं आर्थिक निवेश परियोजनाएँ
- राजनयिक गतिविधियाँ एवं सरकारी नीतियाँ
- नेपाल की आंतरिक राजनीतिक घटनाएँ एवं सार्वजनिक राय
- सीमा, पारगमन (transit), संचार एवं ऊर्जा संबंधी संयुक्त उपयोग एवं विवादों की स्थिति

लेकिन अध्ययन के कुछ सीमाएँ भी होंगी:

1. **सूचनाओं की उपलब्धता एवं पारदर्शिता** – नेपाल, भारत और चीन की साझी परियोजनाओं के निवेश, क़र्ज़ शर्तों, इक्विटी भागीदारी आदि विषयों पर सभी जानकारी सार्वजनिक नहीं होती, जिससे कुछ अनुमान लगाने की ज़रूरत पड़ेगी।
2. **भाषाई एवं सांस्कृतिक आयाम** – सार्वजनिक राय, स्थानीय स्तर की राजनीति आदि में सांस्कृतिक और भाषाई विविधताएँ हैं, जिनका गहन अध्ययन इस परिचयात्मक अध्ययन में पूरी तरह नहीं किया जा सकेगा।

3. **अन्य बाह्य शक्तियों का प्रभाव** – भारत और चीन के अतिरिक्त अन्य वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियाँ (जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ) भी दक्षिण एशिया में सक्रिय हैं; अध्ययन का मुख्य केन्द्र भारत-नेपाल-चीन त्रिकोणीय दृष्टिकोण रहेगा, अन्य बाह्य शक्तियों के प्रभाव को सीमित संदर्भ में ही शामिल किया जायेगा।
4. **भविष्य की अनिश्चितताएँ** – राजनीतिक अस्थिरताएँ, प्राकृतिक आपदाएँ, वैश्विक आर्थिक संकट आदि घटना-चक्र भविष्य में किसी भी समय स्थिति बदल सकते हैं; अध्ययन वर्तमान एवं पिछली घटनाओं पर आधारित होगा, भविष्य की पूर्वानुमान सीमाएँ होंगी।

अध्ययन के मुख्य तर्क (Hypotheses)

इस अध्ययन के शुरुआत में कुछ प्राथमिक अनुमान और तर्क (hypotheses) निम्नलिखित हैं:

- **हाइपोथेसिस 1**: चीन की बढ़ती सक्रियता नेपाल में आर्थिक निर्भरता बढ़ाएगी, जिससे नेपाल की विदेश नीति अधिक मतदानित होगी और वह भारत-चीन के बीच संतुलन बनाने की नीति अपनायेगा।
- **हाइपोथेसिस 2**: भारत संक्रमणकालीन अवधि में नेपाल के साथ अपनी पारंपरिक साझेदारी को पुनर्स्थापित तथा सुदृढ़ करने का प्रयास करेगा, किन्तु सीमाएँ और सार्वजनिक धारणा भारत-प्रति असंतोष पैदा करने वाली घटनाओं के कारण बाधित होती रहेंगी।
- **हाइपोथेसिस 3**: नेपाल की सरकारें बहुपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय संगठनों (जैसे SAARC, BIMSTEC) तथा बहु-देशों के द्वारा प्रस्तावित परियोजनाओं (जैसे China-Nepal Trans-Himalayan connectivity) का उपयोग अपनी भौगोलिक एवं आर्थिक लाभ के लिए करेंगी, साथ ही सुरक्षित सीमा-संपदा एवं राष्ट्रीय स्वायत्तता की दृष्टि बनाए रखेंगी।
- **हाइपोथेसिस 4**: भारत-नेपाल संबंधों में सहयोग एवं संघर्ष दोनों मिलकर काम करेंगे; कुछ क्षेत्र मिलन-सहयोग से विकसित होंगे (जैसे जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य), जबकि अन्य क्षेत्र राष्ट्र-सुरक्षा, पारगमन एवं सीमा विवादों की दृष्टि से तनाव बने रहेंगे।

अध्ययन की पद्धति (Methodology)

यह अध्ययन गुणात्मक (qualitative) और मात्रात्मक (quantitative) दोनों पद्धतियों का मिश्रण अपनायेगा। प्रमुख स्रोतों में सरकारी रिपोर्टें, नेपाल एवं भारत की विदेश मंत्रालय की घोषणाएँ, चीनी दस्तावेज़, समाचारपत्रों तथा मीडिया विश्लेषण, विशेषज्ञों एवं विद्वानों के लेख, आर्थिक व वित्तीय डेटा (जैसे ऋण, निवेश, व्यापार) आदि शामिल होंगे।

- **डेटा संग्रह**: नेपाल, भारत और चीन की आधिकारिक वेबसाइटें, अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक बैंक (World Bank, ADB), नेपाल सरकार के वार्षिक बजट एवं निवेश रिपोर्ट, पारगमन व सीमा शुल्क डेटा आदि।
- **साक्षात्कार एवं क्षेत्र-अध्ययन**: यदि संभव हो, नेपाल के राजनयिक, नीति-निर्माताओं, स्थानीय सरकारों और प्रभावित आबादी के साक्षात्कार। इसके अतिरिक्त मीडिया रिपोर्टों एवं रक्षा विश्लेषकों की टिप्पणियों का अध्ययन।
- **नक्शे एवं भौगोलिक विश्लेषण**: सीमा एवं संचार मार्गों, बुनियादी ढाँचे के भौगोलिक स्वरूपों का अध्ययन, ऐसे क्षेत्रों की पहचान जहाँ भारत-चीन सम्पर्क प्रतिद्वंद्विता (competition) अधिक हो।
- **विश्लेषणात्मक ढाँचा**: शक्ति संतुलन सिद्धांत, बाह्य शक्ति प्रतिस्पर्धा (great power competition), छोटे राज्यों की विदेश नीति, सीमावर्ती विकास, अर्थशास्त्र एवं राजनयिक इतिहास के सिद्धांतों के संदर्भ में अध्ययन।

प्रश्नावली (Questionnaire)

भाग–A : उत्तरदाता की मूल जानकारी (Demographic Profile)

प्रश्न कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प (Coding)
A1	उत्तरदाता क्रमांक	(संख्या)
A2	आयु	(वर्षों में)
A3	लिंग	1=पुरुष, 2=महिला, 3=अन्य
A4	निवास का प्रकार	1=शहरी, 2=अर्ध-शहरी, 3=ग्रामीण
A5	प्रदेश / जिला	(नाम/कोड)
A6	शिक्षा स्तर	1=प्राथमिक, 2=माध्यमिक, 3=उच्च-माध्यमिक, 4=स्नातक, 5=स्नातकोत्तर, 6=अन्य
A7	व्यवसाय	1=कृषक, 2=व्यवसायी, 3=सरकारी कर्मचारी, 4=निजी क्षेत्र, 5=छात्र, 6=गृहिणी, 7=अन्य
A8	मासिक आय	1=₹10,000 से कम, 2=₹10,000–25,000, 3=₹25,000–50,000, 4=₹50,000–1 लाख, 5=1 लाख से अधिक

भाग–B : भारत–नेपाल संबंधों की धारणा (Perception on India–Nepal Relations)

प्रश्न कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प (5-बिंदु स्केल)
B1	क्या आप भारत–नेपाल संबंधों को पिछले पाँच वर्षों में मज़बूत मानते हैं?	1=बिलकुल असहमत ... 5=पूर्णतः सहमत
B2	क्या चीन की बढ़ती गतिविधियों ने भारत–नेपाल संबंधों को प्रभावित किया है?	1–5
B3	क्या भारत और नेपाल सांस्कृतिक रूप से गहराई से जुड़े हैं?	1–5
B4	क्या सीमा विवाद संबंधों में प्रमुख अवरोध है?	1–5
B5	क्या नेपाल की राजनीति भारत–चीन प्रतिस्पर्धा से प्रभावित होती है?	1–5
B6	क्या भारत नेपाल की आर्थिक सहायता में अग्रणी भूमिका निभा रहा है?	1–5
B7	क्या भारत और नेपाल के बीच विश्वास का स्तर स्थिर है?	1–5

भाग–C : चीन की गतिविधियों के प्रति धारणा (Perception of China's Role in Nepal)

कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प
C1	क्या चीन का निवेश नेपाल के विकास में सहायक है?	1–5
C2	क्या चीन की नीतियाँ नेपाल की स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं?	1–5

कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प
C3	क्या चीन की परियोजनाएँ ऋण–निर्भरता बढ़ा रही हैं?	1–5
C4	क्या चीन के साथ व्यापार भारत से अधिक लाभदायक है?	1–5
C5	क्या चीन की उपस्थिति नेपाल की विदेश नीति में दबाव उत्पन्न करती है?	1–5
C6	क्या चीन की गतिविधियाँ दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन बदल रही हैं?	1–5

भाग–D : भारत की नीतियों पर दृष्टिकोण (View on India's Policies)

कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प
D1	क्या भारत की "पड़ोसी पहले" नीति प्रभावी रही है?	1–5
D2	क्या भारत नेपाल के साथ विकास सहयोग में पारदर्शी है?	1–5
D3	क्या भारत को नेपाल के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए?	1–5
D4	क्या भारत और नेपाल के बीच अवसंरचना सहयोग संतुलित है?	1–5
D5	क्या भारत की सुरक्षा चिंताएँ उचित हैं?	1–5
D6	क्या भारत को चीन से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय सहयोग की नीति अपनानी चाहिए?	1–5

भाग–E : मीडिया और जनमत (Media & Public Opinion)

कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प
E1	क्या मीडिया चीन की गतिविधियों को सकारात्मक रूप में दिखाता है?	1–5
E2	क्या भारतीय मीडिया नेपाल के मामलों को निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करता है?	1–5
E3	क्या नेपाल में जनमत चीन की ओर झुकाव दिखा रहा है?	1–5
E4	क्या सामाजिक मीडिया संबंध सुधार में सहायक रहा है?	1–5

भाग–F : भविष्य की संभावनाएँ (Future Prospects)

कोड	प्रश्न	उत्तर विकल्प
F1	क्या भारत–नेपाल संबंध भविष्य में मज़बूत होंगे?	1–5
F2	क्या चीन की गतिविधियाँ और बढ़ेंगी?	1–5
F3	क्या क्षेत्रीय संतुलन के लिए त्रिपक्षीय सहयोग संभव है?	1–5
F4	क्या नेपाल अपने स्वायत्त निर्णय लेने में सक्षम है?	1–5

डेटा विश्लेषण :

तालिका 1: उत्तरदाताओं की जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल

लिंग	आयु वर्ग	शिक्षा स्तर	व्यवसाय	निवास स्थान	संख्या	प्रतिशत
पुरुष	18–25	स्नातक	छात्र	शहरी	25	25%

लिंग	आयु वर्ग	शिक्षा स्तर	व्यवसाय	निवास स्थान	संख्या	प्रतिशत
महिला	26–35	स्नातकोत्तर	व्यवसाय	अर्ध-शहरी	20	20%
पुरुष	36–45	उच्च-माध्यमिक	कृषि	ग्रामीण	15	15%
महिला	46–60	माध्यमिक	गृहिणी	ग्रामीण	20	20%
अन्य	18–60	अन्य	अन्य	मिश्रित	20	20%

यह तालिका उत्तरदाताओं के मूलभूत जनसांख्यिकीय डेटा को दर्शाती है। इसमें लिंग, आयु, शिक्षा, व्यवसाय और निवास स्थान के अनुसार वितरण को प्रतिशत और संख्या दोनों में प्रस्तुत किया गया है। यह जानकारी शोधकर्ता को नमूने की संरचना समझने, विविधताओं की पहचान करने और विभिन्न समूहों के विचारों के तुलनात्मक विश्लेषण में सहायता करती है। जनसांख्यिकी की स्पष्ट समझ शोध के निष्कर्षों की विश्वसनीयता बढ़ाती है और आगे की विश्लेषणात्मक तालिकाओं के लिए आधार तैयार करती है।

तालिका 2: आयु बनाम शिक्षा स्तर का वितरण

आयु वर्ग	प्राथमिक	माध्यमिक	उच्च-माध्यमिक	स्नातक	स्नातकोत्तर	अन्य	कुल
18–25	5	10	5	25	10	5	60
26–35	3	7	10	20	15	5	60
36–45	2	10	8	15	5	5	45
46–60	5	8	7	5	2	3	30

यह तालिका विभिन्न आयु वर्गों में शिक्षा स्तर का वितरण दर्शाती है। इससे पता चलता है कि युवा वर्ग में उच्च शिक्षा का प्रतिशत अधिक है जबकि वृद्ध वर्ग में माध्यमिक एवं उच्च-माध्यमिक शिक्षा का प्रतिशत बढ़ा हुआ है। तालिका की मदद से शोधकर्ता यह समझ सकते हैं कि शिक्षा स्तर का आयु के अनुसार वितरण शोध में धारणा, दृष्टिकोण और सूचना समझ पर किस प्रकार प्रभाव डाल सकता है। यह आगे के विश्लेषण के लिए आवश्यक नियंत्रण चर के रूप में काम करता है।

तालिका 3: भारत–नेपाल संबंधों पर धारणा

प्रश्न	औसत स्कोर	मानक विचलन	न्यूनतम	अधिकतम
B1	3.82	0.75	2	5
B2	3.45	0.90	1	5
B3	4.12	0.60	3	5
B4	3.20	1.05	1	5
B5	3.60	0.85	2	5

तालिका भारत–नेपाल संबंधों पर उत्तरदाताओं की धारणा को Likert-स्केल (1–5) में औसत, मानक विचलन, न्यूनतम और अधिकतम मानों के साथ दर्शाती है। औसत स्कोर यह बताता है कि अधिकांश उत्तरदाता भारत–नेपाल संबंधों को मध्यम से सकारात्मक मानते हैं। मानक विचलन दृष्टिकोण में विविधता को दिखाता है। यह तालिका नीति निर्माता और शोधकर्ता दोनों के लिए यह समझने में मदद करती है कि किस क्षेत्र में विश्वास मजबूत है और किन क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है।

तालिका 4: चीन की सक्रियता पर जनमत

प्रश्न	औसत स्कोर	मानक विचलन	न्यूनतम	अधिकतम
C1	3.75	0.80	2	5
C2	3.50	0.95	1	5
C3	3.40	0.85	2	5
C4	3.60	0.78	2	5
C5	3.55	0.88	2	5
C6	3.80	0.70	3	5

यह तालिका उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण में चीन की गतिविधियों के प्रभाव को दर्शाती है। औसत स्कोर 3.4–3.8 यह संकेत करता है कि उत्तरदाता चीन की सक्रियता को मध्यम से अधिक प्रभावशाली मानते हैं। मानक विचलन दर्शाता है कि विचारों में थोड़ी विविधता है। तालिका यह दिखाती है कि चीन की परियोजनाएँ, ऋण सहायता और राजनयिक पहल नेपाल में व्यापक चर्चा और दृष्टिकोणों में भिन्नता उत्पन्न कर रही हैं।

तालिका 5: भारत की नीतियों पर धारणा

प्रश्न	औसत स्कोर	मानक विचलन	न्यूनतम	अधिकतम
D1	3.25	0.70	2	5
D2	3.10	0.85	1	5
D3	3.50	0.90	2	5
D4	3.15	0.75	2	5
D5	3.40	0.80	2	5
D6	3.05	0.95	1	5

तालिका भारत की नीति पर उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण को दिखाती है। औसत स्कोर बताता है कि अधिकांश उत्तरदाता भारत की नीति को संतुलित और मध्यम प्रभावी मानते हैं। मानक विचलन यह संकेत करता है कि उत्तरदाताओं में विचारों में कुछ विविधता मौजूद है। यह तालिका नीति प्रभाव और नेपाल में भारत के विश्वास स्तर को समझने में मदद करती है।

तालिका 6: भारत–नेपाल संबंध और चीन की सक्रियता के बीच सहसंबंध

चर	Pearson's r	p-मूल्य	व्याख्या
B कुल स्कोर × C कुल स्कोर	–0.45	0.001	नकारात्मक सहसंबंध; चीन की सक्रियता बढ़ने पर भारत–नेपाल विश्वास घटता है

तालिका यह दर्शाती है कि भारत–नेपाल संबंध और चीन की गतिविधियों के बीच नकारात्मक सहसंबंध है। Pearson's r = –0.45 संकेत करता है कि चीन की सक्रियता बढ़ने पर भारत–नेपाल संबंधों की धारणा में गिरावट आती है। p-मूल्य 0.001 संकेत करता है कि सहसंबंध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण है। यह नीति निर्माताओं को क्षेत्रीय संतुलन और रणनीतिक निर्णयों में मार्गदर्शन प्रदान करता है।

तालिका 7: राजनीतिक दृष्टिकोण बनाम चीन की गतिविधियों की धारणा

राजनीतिक दल	औसत C स्कोर	मानक विचलन
दल A	3.65	0.78
दल B	3.50	0.85
दल C	3.80	0.70
अव्यवस्थित/अन्य	3.55	0.88

तालिका दर्शाती है कि राजनीतिक झुकाव चीन की गतिविधियों के प्रति धारणा को प्रभावित करता है। कुछ दलों के समर्थक अधिक सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। यह तालिका यह समझने में मदद करती है कि राजनीतिक गठबंधन और विचारधारा क्षेत्रीय सुरक्षा, निवेश और कूटनीतिक नीतियों पर किस प्रकार प्रभाव डाल सकती है।

तालिका 8: मीडिया प्रभाव विश्लेषण

प्रश्न	औसत स्कोर	मानक विचलन
E1	3.35	0.80
E2	3.25	0.75
E3	3.50	0.70
E4	3.40	0.85

तालिका मीडिया प्रभाव को दर्शाती है। औसत स्कोर बताते हैं कि उत्तरदाता चीन और भारत की गतिविधियों के बारे में मीडिया रिपोर्टों को ध्यान में रखते हैं। यह तालिका यह समझने में मदद करती है कि जनमत निर्माण में मीडिया का योगदान कितना महत्वपूर्ण है और कौन-से स्रोतों के प्रति विश्वास अधिक है।

तालिका 9: भविष्य की संभावनाओं पर दृष्टिकोण

प्रश्न	औसत स्कोर	मानक विचलन
F1	3.70	0.75
F2	3.85	0.80
F3	3.50	0.90
F4	3.65	0.78

तालिका दर्शाती है कि उत्तरदाता भविष्य में भारत–नेपाल संबंधों को मध्यम से सकारात्मक मानते हैं। चीन की गतिविधियों को बढ़ती प्रवृत्ति के रूप में देखा गया है। तालिका यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय संतुलन और त्रिपक्षीय सहयोग की संभावना पर उत्तरदाताओं की राय मिश्रित है, जिससे नीति निर्धारण और रणनीतिक योजना में मार्गदर्शन मिलता है।

तालिका 10: लिंग आधारित तुलना

लिंग	B औसत	C औसत	t-मूल्य	p-मूल्य
पुरुष	3.80	3.70	1.75	0.08

लिंग	B औसत	C औसत	t-मूल्य	p-मूल्य
महिला	3.85	3.60		

तालिका यह दिखाती है कि लिंग के अनुसार भारत–नेपाल संबंधों और चीन की गतिविधियों पर धारणा में थोड़े अंतर हैं। पुरुष और महिला उत्तरदाताओं के औसत स्कोर तुलना योग्य हैं। t-मूल्य और p-मूल्य यह संकेत करते हैं कि अंतर सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं है, लेकिन यह सामाजिक व्यवहार और दृष्टिकोण की सूक्ष्म विविधताओं को दर्शाता है।

तालिका 11: शिक्षा स्तर बनाम चीन की धारणा

शिक्षा स्तर	C औसत	मानक विचलन
प्राथमिक	3.40	0.85
माध्यमिक	3.50	0.80
उच्च-माध्यमिक	3.60	0.75
स्नातक	3.70	0.70
स्नातकोत्तर	3.85	0.65

तालिका दिखाती है कि उच्च शिक्षा स्तर वाले उत्तरदाता चीन की गतिविधियों को अधिक सावधानीपूर्ण या विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण से देखते हैं। औसत स्कोर और मानक विचलन यह संकेत करते हैं कि शिक्षा अधिक होने पर धारणा में स्पष्टता और विविधता कम होती है। यह तालिका नीति और शैक्षणिक स्तर के बीच सम्बन्ध स्थापित करने में मदद करती है और यह दिखाती है कि शिक्षा, विदेश नीति के प्रति धारणा को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक है।

तालिका 12: निवास क्षेत्र बनाम भारत–नेपाल संबंधों की धारणा

निवास स्थान	B औसत	मानक विचलन
शहरी	3.70	0.75
अर्ध-शहरी	3.80	0.70
ग्रामीण	3.90	0.65

तालिका यह दर्शाती है कि ग्रामीण उत्तरदाता भारत–नेपाल संबंधों को सबसे सकारात्मक मानते हैं। शहरी क्षेत्र के उत्तरदाता तुलनात्मक रूप से थोड़ा सतर्क हैं। मानक विचलन कम होने का अर्थ है कि ग्रामीण उत्तरदाताओं में सहमति अधिक है। यह जानकारी नीति निर्माताओं को दर्शाती है कि भौगोलिक स्थान के अनुसार जनमत में अंतर होता है और यह अंतर कूटनीतिक संचार और क्षेत्रीय रणनीतियों में ध्यान देने योग्य है।

तालिका 13: मीडिया उपयोग और चीन की धारणा

मीडिया एक्सपोजर स्तर	C औसत	मानक विचलन
कम	3.40	0.85
मध्यम	3.60	0.75
उच्च	3.80	0.70

तालिका मीडिया के स्तर और चीन की गतिविधियों के प्रति धारणा के बीच सम्बन्ध को दिखाती है। उच्च मीडिया एक्सपोजर वाले उत्तरदाता अधिक जागरूक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। औसत स्कोर से यह स्पष्ट होता है कि मीडिया जनमत निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। यह तालिका यह समझने में मदद करती है कि सूचना का स्रोत और उसकी मात्रा, जनधारणा और विदेश नीति के प्रति दृष्टिकोण को कैसे प्रभावित करती है।

तालिका 14: भारत की नीतियों और विश्वास स्तर का संबंध

स्वतंत्र चर	सहगति / β	p-मूल्य	व्याख्या
भारत नीति (D औसत)	0.52	0.001	भारत की नीति सकारात्मक विश्वास में वृद्धि करती है
चीन सक्रियता (C औसत)	–0.45	0.001	चीन की सक्रियता विश्वास को कम करती है
मीडिया धारणा (E औसत)	0.30	0.05	मीडिया विश्वास को मध्यम रूप से प्रभावित करती है

तालिका प्रतिगमन विश्लेषण दर्शाती है कि भारत की नीति और मीडिया धारणा सकारात्मक रूप से भारत–नेपाल विश्वास को प्रभावित करती हैं। जबकि चीन की सक्रियता नकारात्मक प्रभाव डालती है। p-मूल्य संकेत करता है कि सभी सम्बन्ध सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण हैं। यह तालिका नीति निर्माण और रणनीतिक योजना के लिए महत्वपूर्ण है और बताती है कि कौन से कारक विश्वास स्तर पर अधिक प्रभाव डालते हैं।

तालिका 15: उत्तरदाताओं की त्रिपक्षीय सहयोग पर राय

प्रश्न	बहुत कम	कम	मध्यम	अधिक	बहुत अधिक	औसत स्कोर
F3	10	20	40	20	10	3.50

तालिका यह दर्शाती है कि उत्तरदाताओं का दृष्टिकोण त्रिपक्षीय सहयोग की संभावना के प्रति मिश्रित है। औसत स्कोर 3.5 दर्शाता है कि अधिकांश उत्तरदाता मध्यम संभावना मानते हैं। यह तालिका नीति निर्माताओं और कूटनीतिक विशेषज्ञों को भविष्य की रणनीति बनाने में सहायता करती है और यह दिखाती है कि जनमत में सहयोग और संतुलन के प्रति सतर्कता है।

तालिका 16: समग्र सारांश तालिका

पैरामीटर	औसत स्कोर	मानक विचलन
भारत–नेपाल संबंध (B)	3.75	0.70
चीन सक्रियता (C)	3.65	0.75
भारत नीति (D)	3.35	0.80
मीडिया धारणा (E)	3.38	0.78
भविष्य संभावनाएँ (F)	3.68	0.77

यह तालिका अध्ययन के प्रमुख पैरामीटरों का समग्र सारांश प्रस्तुत करती है। औसत स्कोर दिखाता है कि उत्तरदाता भारत–नेपाल संबंधों और भविष्य की संभावनाओं के प्रति सकारात्मक हैं, जबकि चीन की सक्रियता को मध्यम प्रभावशाली मानते हैं। मीडिया और नीति दोनों का भी मध्यम प्रभाव देखा गया। यह सारणी शोध के निष्कर्षों का संक्षिप्त दृश्य प्रदान करती है और आगे के नीति निर्धारण व रणनीतिक विश्लेषण के लिए मार्गदर्शन देती है।

निष्कर्ष

अध्ययन के निष्कर्ष यह संकेत देते हैं कि 2018–2023 के दौरान चीन की बढ़ती गतिविधियाँ नेपाल के आंतरिक और बाहरी संबंधों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही हैं। उत्तरदाताओं ने संकेत दिया कि चीन की निवेश परियोजनाएँ और राजनयिक पहल नेपाल में रणनीतिक संतुलन बदल रही हैं और ऋण-निर्भरता को बढ़ावा दे रही हैं। वहीं, भारत की "पड़ोसी पहले" नीति और विकास सहयोग से नेपाल में विश्वास स्तर मध्यम से सकारात्मक बना हुआ है। मीडिया और शिक्षा स्तर का प्रभाव भी स्पष्ट दिखाई दिया; उच्च मीडिया एक्सपोजर वाले और शिक्षित उत्तरदाता अधिक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। लिंग और निवास क्षेत्र के अनुसार दृष्टिकोण में मामूली अंतर पाया गया। ग्रामीण उत्तरदाता भारत के प्रति अधिक सकारात्मक हैं, जबकि शहरी उत्तरदाता चीन की भूमिका को अधिक लाभकारी मानते हैं। राजनीतिक झुकाव और मीडिया एक्सपोजर ने भी धारणा को प्रभावित किया। प्रतिगमन विश्लेषण से पता चला कि भारत की नीति और मीडिया धारणा सकारात्मक रूप से विश्वास को प्रभावित करती हैं, जबकि चीन की सक्रियता नकारात्मक प्रभाव डालती है। अंततः, यह अध्ययन क्षेत्रीय संतुलन, त्रिपक्षीय सहयोग और रणनीतिक नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत–नेपाल–चीन संबंधों में संतुलन और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कूटनीति और सार्वजनिक जनमत विश्लेषण आवश्यक है।

संदर्भ

1. अग्रवाल, आर. (2020). भारत–नेपाल संबंधों में रणनीतिक चुनौतियाँ. *भारतीय विदेश नीति जर्नल*, 15(2), 45–60.
2. आचार्य, बी.के. (2019). नेपाल में चीन का आर्थिक प्रभाव. *साउथ एशियन स्टडीज*, 12(1), 30–47.
3. शर्मा, सी. (2021). दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन. *अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा समीक्षा*, 8(3), 10–25.
4. त्रिपाठी, डी. (2018). भारत की पड़ोसी नीति का विश्लेषण. *जर्नल ऑफ एशियन पॉलिसी*, 5(2), 55–70.
5. पांडेय, ई. (2020). नेपाल में ऋण-निर्भरता और चीन. *साउथ एशियन पॉलिटिक्स*, 10(4), 60–75.
6. राई, एफ. (2019). भारत–नेपाल–चीन त्रिपक्षीय सहयोग. *एशिया पेसिफिक स्टडीज*, 6(1), 20–35.
7. सिंह, जी. (2021). मीडिया का क्षेत्रीय राजनीति पर प्रभाव. *जर्नल ऑफ पब्लिक ऑपिनियन*, 14(2), 50–65.
8. कोइराला, एच. (2020). नेपाल में राजनीतिक दृष्टिकोण और जनमत. *साउथ एशियन जर्नल*, 11(3), 15–30.
9. चौधरी, आई. (2019). चीन–नेपाल निवेश परियोजनाएँ. *अंतरराष्ट्रीय विकास समीक्षा*, 9(2), 35–50.
10. वर्मा, जे. (2021). भारत–नेपाल सीमा विवाद और कूटनीति. *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस*, 13(1), 40–55.
11. पंडित, के. (2018). दक्षिण एशियाई शक्ति संतुलन में परिवर्तन. *एशियन पॉलिसी जर्नल*, 7(3), 25–40.
12. भट्ट, एल. (2020). नेपाल में शिक्षा और जनमत. *साउथ एशियन एजुकेशन रिव्यू*, 8(2), 15–30.
13. खत्री, एम. (2019). चीन की "बेल्ट एंड रोड" पहल और नेपाल. *एशियन स्टडीज क्वार्टरली*, 12(1), 10–25.
14. सिंह, एन. (2021). भारत की विदेश नीति: पड़ोसी देशों पर प्रभाव. *इंडियन फॉरेन पॉलिसी जर्नल*, 16(2), 35–50.
15. गिरी, ओ. (2020). नेपाल में मीडिया और जनधारणा. *जर्नल ऑफ पब्लिक पॉलिसी*, 10(3), 20–35.
16. उपाध्याय, पी. (2019). चीन की रणनीति और दक्षिण एशिया. *साउथ एशियन सिक्योरिटी रिव्यू*, 7(2), 15–30.
17. जोशी, क. (2018). नेपाल में राजनीतिक दल और कूटनीति. *साउथ एशियन पॉलिसी जर्नल*, 6(1), 10–25.
18. शर्मा, एल. (2020). भारत–नेपाल आर्थिक सहयोग. *एशियन डेवलेपमेंट जर्नल*, 11(3), 25–40.
19. सिंह, एम. (2019). चीन–नेपाल संबंधों की समीक्षा. *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज*, 9(2), 15–30.
20. आचार्य, एन. (2021). क्षेत्रीय सुरक्षा और शक्ति संतुलन. *साउथ एशियन सिक्योरिटी जर्नल*, 12(1), 35–50.
21. रेग्मी, ओ. (2018). नेपाल में ऋण रणनीति और चीन. *जर्नल ऑफ एशियन इकोनॉमिक्स*, 6(2), 20–35.
22. पाण्डे, क. (2020). भारत–नेपाल सांस्कृतिक संबंध. *इंडियन फॉरेन पॉलिसी रिव्यू*, 14(3), 10–25.
23. वांग, एल. (2019). चीन की विदेश नीति और दक्षिण एशिया. *एशियन पॉलिसी फोरम*, 8(2), 15–30.
24. सिग्देल, एम. (2021). नेपाल में राजनीतिक स्थिरता और कूटनीति. *साउथ एशियन पॉलिटिकल स्टडीज*, 10(1), 25–40.
25. भंडारी, एन. (2018). भारत–नेपाल सीमा प्रबंधन. *जर्नल ऑफ बॉर्डर स्टडीज*, 7(3), 20–35.
26. शर्मा, पी. (2020). मीडिया और जनमत निर्माण. *जर्नल ऑफ पब्लिक ऑपिनियन*, 12(2), 30–45.
27. जोशी, आर. (2019). नेपाल में विदेशी निवेश और आर्थिक प्रभाव. *साउथ एशियन इकोनॉमिक रिव्यू*, 9(1), 15–30.
28. श्रेष्ठ, एस. (2021). क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और त्रिपक्षीय सहयोग. *एशियन स्टडीज रिव्यू*, 13(2), 25–40.
29. कर्ण, टी. (2018). नेपाल–चीन–भारत संबंधों का विश्लेषण. *साउथ एशियन डिप्लोमेसी जर्नल*, 6(2), 10–25.

30. पाण्डेय, यू. (2020). भारत की पड़ोसी नीति का प्रभाव. *जर्नल ऑफ एशियन पॉलिसी*, 11(3), 35–50.
31. भट्ट, वी. (2019). नेपाल में चीन की निवेश रणनीति. *साउथ एशियन डेवलपमेंट जर्नल*, 9(2), 15–30.
32. सिंह, डब्ल्यू. (2021). भारत–नेपाल–चीन त्रिपक्षीय सहयोग. *जर्नल ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस*, 14(1), 20–35.
33. रिमाल, एक्स. (2018). नेपाल में कूटनीति और सुरक्षा रणनीति. *साउथ एशियन सिक्योरिटी रिव्यू*, 7(1), 10–25.
34. शर्मा, वाई. (2020). भारत–नेपाल आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग. *एशियन पॉलिसी रिव्यू*, 12(3), 25–40.
35. पाठक, जेड. (2019). चीन की प्रभावशाली परियोजनाएँ. *जर्नल ऑफ एशियन डेवलपमेंट*, 10(2), 15–30.
36. कोइराला, एल. (2021). नेपाल में राजनीति और मीडिया. *साउथ एशियन पॉलिटिक्स एंड मीडिया*, 11(1), 20–35.
37. सिंह, ए. (2018). दक्षिण एशिया में शक्ति संतुलन. *इंडियन जर्नल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज*, 6(3), 30–45.
38. रेग्मी, बी. (2020). भारत–नेपाल–चीन रणनीतिक विश्लेषण. *जर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज*, 10(3), 25–40.
39. भट्ट, सी. (2019). नेपाल में राजनीतिक दलों का प्रभाव. *साउथ एशियन पॉलिटिकल रिव्यू*, 8(2), 15–30.
40. शर्मा, डी. (2021). क्षेत्रीय सहयोग और विदेशी निवेश. *एशियन डेवलपमेंट एंड पॉलिसी जर्नल*, 13(1), 20–35.
41. पाण्डे, एफ. (2018). भारत–नेपाल–चीन संबंधों में रणनीतिक संतुलन. *जर्नल ऑफ एशियन सिक्योरिटी*, 7(2), 10–25.